न्यूज डायरी

ट्रंप और जो बाइडेन को मिले बराबर वोट तो कैसे होगा चुनाव का फैसला?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव इलेक्टोरल वोटों के आधार पर होता है। जीतने के लिए एक कैंडिडेट को 538 में से 270 इलेक्टोरल वोट चाहिए होते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर दोनों कैंडिडेट्स को बराबर 269–269 वोट मिलते हैं तो क्या होगा। गौरतलब है कि 3 नवंबर को वोट पड़ने के बाद वोटों की गिनती भी शुरू हो चुकी है और अभी तक के ट्रेंड में डेमोक्रैट कैंडिडेट जो बाइडेन को रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप से आगे दिख रहे हैं। हर राज्य के एक प्रतिनिधि के पास एक वोट का अधिकार होता है। ऐसे में बहुमत के लिए 26 या उससे ज्यादा वोटों की जरूरत होती है। हाउस में डेमोक्रैट्स के पास बहुमत है लेकिन बराबरी की स्थिति में रिपब्लिकन्स को फायदा हो सकता है। स्विंग स्टेट्स जैसे पेनिसिल्वेनिया में डेमोक्रैट और रिपब्लिकन वोट बराबर हैं। ऐसे में मुमकिन है कि यहां भी टाई हो जाए और कोई वोट न डाले।

वाइट हाउस के बाहर भिड़े ट्रंप समर्थक और विरोधी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में मतों गिनती के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस के बाहर ठस्ड प्रदर्शनकारी और डोनाल्ड ट्रंप समर्थक भिड़ गए। चुनावी हिंसा की आशंका को देखते हुए वाइट हाउस के बाहर बड़ी संख्या में हथियार सैनिक और पुलिसकर्मी तैनात हैं। सुरक्षाकर्मियों को प्रदर्शनकारियों को रोकने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। उधर, ठस्ड प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वे आने वाले कई हफ्तों तक प्रदर्शन करते रहेंगे। ट्रंप समर्थकों और विरोधियों की यह झड़प पुलिस के लिए मुसीबत बनती जा रही है। इस झड़प के वीडियो में नजर आ रहा है कि ब्लैक लाइव्स मैटर के लोगों और ट्रंप के समर्थकों में हाथापाई भी हुई। वाइट हाउस के बाहर हजारों की तादाद में प्रदर्शनकारी और ट्रंप समर्थक जमा हैं। बताया जा रहा है कि बीएलएम के प्रदर्शनकारी उस समय भड़क उठे जब उनके विरोधी लोगों ने ऑल लाइव्स मैटर, वाइट लाइव्स मैटर के नारे लगाने शुरू कर दिए।

खामनेई ने अमेरिकी चुनाव का उड़ाया मजाक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मतदान में धांधली के आधारहीन दावों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति चुनाव का माखौल उड़ाया। अयातुल्ला अली खामनेई ने ईरान के पुराने रुख को दोहराया कि ट्रंप जीतें या जो बाइडेन जीतें, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका के ईरान के साथ संबंध पहले से ही गर्त में हैं। ऐसे में अगर वह दोबारा राष्ट्रपति बनते हैं तो ईरान पर नई पाबंदियां लगनी तय है। ट्रंप के और चार साल के कार्यकाल के दौरान ईरान के खिलाफ अधिकतम दबाव सामने आ सकता है। इससे ईरानी अर्थव्यवस्था और ज्यादा प्रभावित हो सकती है तेहरान अभी विदेशों में जितनी मात्रा में अपने कच्चे तेल को खुलेआम बेच रहा है, उस पर भी अमेरिका की नई सरकार रोक लगा सकती है।

पाकिस्तान ने वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को तलब किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारतीय बलों द्वारा कथित रूप से संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के मुद्दे पर विरोध दर्ज कराने के लिए मंगलवार को एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को तलब किया। भारतीय राजनयिक को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने तलब किया। विदेश विभाग ने कहा कि सोमवार को बागसर सेक्टर में बिना किसी उकसावे के अंधाधुंध गोलीबारी की गई, जिसकी चपेट में आने से 45 वर्षीय एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। विदेश विभाग के मुताबिक भारत से कहा गया कि वह वर्ष 2003 में संघर्ष विराम को लेकर बनी सहमति का सम्मान करे और इस और संघर्ष विराम उल्लंघन की ऐसी ही अन्य घटनाओं की जांच करे और एलओसी और 'वर्किंग बाउन्ड्री' पर शांति कायम करे।

अमेरिका में ट्रंप और बाइडेन के बीच कांटे की टक्कर

चुनावी नतीजे

ट्रंप ने अमेरिका के यूपी पर कब्जा बरकरार रखा, जो बाइडेन ने एरिजोना में लगाई सेंध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनावी नतीजों के लिहाज से बेहद अहम अपने गृह राज्य फ्लोरिडा में कांटे की टक्कर के बाद अपना कब्जा बरकरार रखा है। माना जाता है कि अमेरिका में सत्ता का रास्ता फ्लोरिडा होकर जाता है। उधर, डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका देते हुए लंबे समय बाद एरिजोना पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही एरिजोना के 11 वोट अब बाइडेन को मिल गए हैं जिससे वह राष्ट्रपति चुनाव की रेस में बने हुए हैं।

एरिजोना लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ रहा है और पिछले चुनाव में ट्रंप ने हिलेरी क्लिंटन को मार दी थी। उधर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा जैसे महत्वपूर्ण राज्य पर फिर से कब्जा कर लिया है। फ्लोरिडा के चुनाव पर पूरे अमेरिका की नजरें टिकी हुई थीं। इस जीत के साथ ही ट्रंप को 29 इलेक्टोरल वोट मिल गए हैं। अमेरिकी चुनाव में फ्लोरिडा को काफी अहम माना जाता है। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने के लिए यह जीत जरूरी थी। अब सभी की नजरें विस्कोन्सिन, मिशिगन और पेन्सल्विनिया पर टिकी हुई हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं तीन राज्यों के नतीजे राष्ट्रपति का फैसला करेंगे।

फ्लोरिडा में जीतने वाला बनता है राष्ट्रपतिः फ्लोरिडा का इतिहास यह रहा है कि वर्ष 2000 से लेकर अब तक जो उम्मीदवार यहां से जीता है, वही अमेरिका का राष्ट्रपति बना है। यही नहीं अब हर बार रिपब्लिकन पार्टी फ्लोरिडा का चुनाव जीतने के बाद ही सत्ता में आ पाती है। इससे पहले वर्ष 2016 में हिलेरी क्लिंटन मात्र एक प्रतिशत वोट से फ्लोरिडा से चुनाव हार गई थीं। इस राज्य में बड़ी संख्या में लैटिन अमेरिकी देशों से आए लोग रहते हैं। इस बार चुनाव में ट्रंप ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की मतगणना में बाइडेन आगे चल रहे हैं लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी एवं रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी कांटे की टक्कर जारी है। वाइट हाउस पहुंचने के लिए किसी को भी कम से कम 270 'इलेक्टोरल कॉलेज सीट' पर जीत दर्ज करनी होगी। पेनसिल्वेनिया अधिकारियों ने बुधवार तड़के उनके नतीजों के स्पष्ट होने में अभी एक और दिन लगने की बात कही थी। पेनिसिल्वेनिया में महत्वपूर्ण 20 'इलेक्टोरल कॉलेज सीट' हैं।

कई प्रमुख 'बैटलग्राउंड' राज्यों पर अनुमान घोषित नहींः कई प्रमुख मीडिया संगठनों ने अभी तक मिशिगन, विस्कॉन्सिन, नोर्थ कैरोलाइना, जॉर्जिया और नवेडा जैसे प्रमुख 'बैटलग्राउंड' राज्यों पर अपने अनुमान घोषित नहीं किए हैं। 'बैटलग्राउंड' उन राज्यों को कहा जाता है, जहां रुझान स्पष्ट नहीं होता। वहीं बाइडेन ने न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क में जीत दर्ज कर ली है। न्यूयॉर्क में बाइडेन को 22 लाख और ट्रंप को 12 लाख मत मिले।

ट्रंप ने लगाया धांधली का आरोप कहा– हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में जोरदार टक्ध्कर के बीच निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड्ड ट्रंप ने कहा कि वह चुनाव जीत रहे हैं। ट्रंप ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया और कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप ने कहा, श्हमने टेक्सस, नॉर्थ कैरोलिना और जॉर्जिया में जीत दर्ज की है। हमें जीता का पूरा भरोसा है। ट्रंप ने यह दावा ऐसे समय पर किया है जब मिशिगन, विस्कोन्सिन, पेंसिलवेनिया और जॉर्जिया में अभी मतगणना चल रही है।

वोटों की गणना के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के नतीजे आश्चर्यजनक होंगे। हम जैसी उम्मीद कर रहे हैं, जीत वैसी ही होगी। हमने टेक्सस, नॉर्थ कैरोलिना और जॉर्जिया में जीत दर्ज की है। हमें जीता का पूरा भरोसा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि हम पेंसिलवेनिया भी जीत रहे हैं। हम धीरे–धीरे जीत की तरफ बढ़ रहे हैं। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। डेमोक्रैटिक उम्मीदवार जो बाइडेन और रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप की ट्विटर पर तूतू–मैंमैं शुरू हो गई।

अमेरिका में चुनावी दिन पर जो बाइडेन ने की बड़ी गलती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्ध्मीदवार जो बाइडेन ने चुनावी दिन पर एक बड़ी गलती कर दी। जो बाइडेन ने फिलाडेल्फिया में भारी भीड़ के सामने अपनी पोती को अपना मृत बेटा बता दिया। बाइडेन अपनी पोती नताली बाइडेन से लोगों को रू–ब–रू करा रहे थे। इस दौरान उन्होंने लाउडस्पीकर पर लोगों को संबोधित करते हुए नताली को अपना मृत बेटा बता दिया। बाइडेन के ऐसा कहते ही भीड़ अचानक से खामोश हो गई। इसके बाद बाइडेन को अपनी गलती का अहसास हो गया। बाइडेन ने तुरंत अपनी भूल को स्वीकार कर लिया और इसके बाद भीड़ ने फिर उनका उत्साह बढ़ाना शुरू कर दिया।

राजा कृष्णमूर्ति समेत समोसा कॉकस के चारों भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सांसद दोबारा निर्वाचित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के टिकट पर अमेरिकी कांग्रेस के निम्न सदन प्रतिनिध सभा के लिए चुनाव लड़े चारों भारतीय मूल के प्रत्याशियों– डॉ.एमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना और राजा कृष्णमूर्ति– ने एक बार फिर जीत दर्ज की है। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में भारतीय –अमेरिकी समुदाय पहली बार एक बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

दोनों ही दलों डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन ने समुदाय के 18 लाख मतदाताओं को लुभाने के लिए कई कदम उठाए क्योंकि फ्लोरिडा, जॉर्जिया, मिशिगन, नार्थ कैरोलिना, टेक्सास और पेनसिल्वेनिया जैसे कांटे की लड़ाई वाले राज्यों में जीत के लिए समुदाय के मत अहम हैं। भारतीय मूल के सांसदों के समूहों को कृष्णमूर्ति अनौपचारिक रूप से 'समोसा कॉकस' कहते हैं। इस चुनाव में इस समूह में कम से एक सदस्यों की वृद्धि की पूरी संभावना है क्योंकि डॉ. हीरल तिपिरनेनी एरिजोना के छठे कांग्रेस निर्वाचन क्षेत्र में रिपब्लिकन उम्मीदवार डेविड श्वेकर्ट पर अंतिम सूचना मिलने तक बढ़त बनाए हुए हैं।

अगर 52 वर्षीय हीरल निर्वाचित होती हैं तो प्रतिनिधि सभा पहुंचने वाली दूसरी भारतीय मूल की महिला होंगी। जयपाल पहली भारतीय मूल की महिला हैं जो 2016 में प्रतिनिधिसभाके लिए निर्वाचित हुई थीं। 'समोसा कॉकस' में इस समय पांच भारतीय–अमेरिकी सांसद हैं जिनमें से चार प्रतिनिधिसभा के सदस्य हैं जबकि पांचवी सदस्य सीनेटर कमला हैरिस हैं। हैरिस इस चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उपराष्ट्रपति पद उम्मीदवार हैं। कृष्णमूर्ति (47)ने आसानी से लिबरटेरियन पार्टी उम्मीदवार प्रेस्टन नेल्सन को हरा दिया।

आधे से ज्यादा वोटरों की पसंद कमला हैरिस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के आधे से ज्यादा 51 प्रतिशत वोटरों का मानना है कि डेमोक्रैटिक पार्टी की कमला हैरिस को देश की उपराष्ट्रपति होना चाहिए। न्यूज शो के एक एग्जिट पोल में यह बात सामने आई है। सर्वे में पाया गया है कि हैरिस की उम्मीदवारी का विरोध 43 प्रतिशत लोगों ने किया है। हैरिस के सामने मैदान में हैं रिपब्लिकन कैंडिडेट माइक पेंस। हैरिस को दो–तिहाई अफ्रीकी–अमेरिकियों और लैटिन वोटरों का समर्थन मिला है। हालांकि, हैरिस को सिर्फ आधे से कम वाइट और एशियाई वोटरों का समर्थन मिला है। अगर हैरिस चुनी जाती हैं तो वह अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद पर बैठने वाली पहली महिला और अश्वेत शख्स होंगी। वहीं, चुनाव के दिन सीनेटर हैरिस मिशिगन के डिट्रॉइट में ग्रेटर ग्रेस टेंपल पोलिंग स्टेशन पर अचानक पहुंचीं। यह इलाका मुख्यतः अश्वेत वोटरों का है। उन्होंने यहां आकर लोगों से लाइन में खड़े रहकर बैलेट से वोट डालने के लिए शुक्रिया कहा।